स्वतन्त्रता के विविध रूप (Kinds of Liberty)

स्वतन्त्रता का निहितार्थ मुक्तता की ऐसी दशा है जो विशेषतः राजनीतिक अधीनता, बंदीकरण अथवा दासता के विरुद्ध है। किन्तु व्यापक अर्थ में यह एक बहुमुखी धारणा है जिसके विविध रूप इस प्रकार है।

(i) प्राकृतिक स्वतन्त्रता - इस धारणा के अनुसार स्वतन्त्रता प्रकृति की देन है और मनुष्य जन्म से ही स्वतन्त्र होता है। इसी विचार को व्यक्त करते हुए रूसो ने लिखा है कि मनुष्य स्वतन्त्र उत्पन्न होता है, किन्तु सर्वत्र वह बन्धनों में बंधा हुआ है। प्राकृतिक स्वतन्त्रता का आशय मनुष्यों की अपनी इच्छानुसार कार्य करने की स्वतन्त्रता से है। परन्तु प्राकृतिक स्वतन्त्रता की यह धारणा पूर्णतया भ्रमात्मक है। प्राकृतिक स्वतन्त्रता की स्थिति में तो 'मत्स्य न्याय' का व्यवहार प्रचलित होगा और परिणामतः समाज में केवल कुछ ही व्यक्ति अस्थायी रूप से स्वतन्त्रता का उपभोग कर सकेंगे। व्यवहार में प्राकृतिक स्वतन्त्रता का अर्थ है केवल शक्तिशाली व्यक्तियों की स्वतन्त्रता। पुनः जिस समाज के अन्तर्गत स्वतन्त्रता का अस्तित्व शक्ति पर आधारित हो, वहां निर्बलों का कोई जीवन नहीं होगा। अतः सामूहिक हित में स्वतन्त्रता को सीमित करना नितान्त आवश्यक है।

(ii) व्यक्तिगत स्वतन्त्रता - इसका तात्पर्य यह है कि व्यक्ति के उन कार्यों पर कोई प्रतिबन्ध नहीं होना चाहिए, जिनका सम्बन्ध केवल उसके ही अस्तित्व से हो।

मिल व्यक्तिगत स्वतन्त्रता का समर्थन करते हुए ही कहते हैं कि मानव समाज को केवल आत्मरक्षा के उद्देश्य से ही, किसी व्यक्ति की स्वतन्त्रता में व्यक्तिगत या सामूहिक रूप से हस्तक्षेप करने का अधिकार हो सकता है। अपने ऊपर, अपने शरीर, मस्तिष्क और आत्मा पर व्यक्ति सम्प्रभु है।

Avinash

ब्लैकस्टोन के अनुसार, इस प्रकार की स्वतन्त्रता तीन दशाओं से युक्त है।

(i) न केवल स्वास्थ्य व जीवन बल्कि प्रतिष्ठा की भी व्यक्तिगत सुरक्षा।

(ii) व्यक्तिगत स्वतन्त्रता, विशेषतया घूमने फिरने की, तथा

(iii) व्यक्तिगत सम्पत्ति अथवा उसी अर्जित वस्तुओं का युक्त प्रयोग, उपभोग एवं निपादन।

(iii) नागरिक स्वतन्त्रता - नागरिक स्वतन्त्रता का अभिप्राय व्यक्ति की उन स्वतन्त्रताओं से है जो व्यक्ति, समाज या राज्य का सदस्य होने के नाते प्राप्त करता है। नागरिक स्वतन्त्रता का उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति को समान अवसर और अधिकार प्रदान करना होता है। साधारणतया नागरिक स्वतन्त्रता का स्तर सभी राज्यों में एक सा नहीं होता है। जिस राज्य में नागरिक स्वतन्त्रता का स्तर जितना ऊंचा होता है, उसे उतना ही अधिक लोकतन्त्रात्मक एवं लोककल्याणकारी राज्य कहा जा सकता है।

(iv) राजनीतिक स्वतन्त्रता - अपने राज्य के कार्यों में स्वतन्त्रतापूर्वक सक्रिय भाग लेने की स्वतन्त्रता को राजनीतिक स्वतन्त्रता कहा जाता है। लास्की के अनुसार, राज्य के कार्यों में सक्रिय भाग लेने की शक्ति ही राजनीतिक स्वतन्त्रता है। क्योंकि राजनीतिक स्वतन्त्रता का अर्थ लोकतन्त्रात्मक स्वतन्त्रता से लेते हैं, जिसका विस्तार से अर्थ है कि जनता अपने शासक को अपनी इच्छानुसार चुन सके और चुने जाने के बाद भी ये शासक उनके प्रति उत्तरदायी हो।

(v) आर्थिक स्वतन्त्रता - इसका सम्बन्ध व्यक्ति के किसी लाभकारी व्यवसाय अथवा नौकरी से उत्पादक या श्रमिक के रूप में लगे होने से है चाहे वह कार्य शारीरिक हो या मानसिक। इसका अर्थ है किसी व्यक्ति की दैनिक आजीविका के अर्जन में समुचित सुरक्षा तथा अवसर।

Scanned with CamScanner

व्यक्ति को बेरोजगारी तथा अभाव के निरंतर भय से मुक्ति होना चाहिए जो संभवतः अन्य सभी अभावों की अपेक्षा व्यक्तिगत पक्ष को कहीं अधिक ग्रस्त करता है। व्यापक अर्थ में, इसमें अभाव से मुक्ति तथा वस्तुओं के उत्पादन एवं वितरण का अधिकार सम्मिलित है।

(vi) राष्ट्रीय स्वतन्त्रता - यह एक देश द्वारा दूसरे की औपनिवेशिक अथवा साम्राज्यवादी दासता को अस्वीकार करती है। पुनः जिस प्रकार व्यक्ति की स्वतन्त्रता दूसरे व्यक्ति की समान स्वतन्त्रता से सीमित होती है, उसी प्रकार एक राष्ट्र की स्वतन्त्रता भी दूसरे राष्ट्रों की समान स्वतन्त्रता से सीमित होती है।

(vii) नैतिक स्वतन्त्रता - नैतिक स्वतन्त्रता का तात्पर्य व्यक्ति की उस मानसिक स्थिति से है जिसमें वह अनुचित लोभ-लालच के बिना अपना सामाजिक जीवन व्यतीत करने की योग्यता रखता है। काण्ट के विचार में व्यक्ति की विवेकपूर्ण इच्छा शक्ति ही उसकी वास्तविक स्वतन्त्रता है।

(viii) घरेलू स्वतन्त्रता - हॉबहाउस ने घरेलू स्वतन्त्रता की बात की है जिसका अर्थ है परिवार में पत्नी तथा बच्चों का उत्तरदायित्वपूर्ण तथा सम्मानजनक स्थान, परिवार के सदस्यों को अपनी पसंदानुसार विवाह करने की स्वतंत्रता तथा माता पिता पर परिवार के सदस्यों के मानसिक व नैतिक विकास के प्रभाव का उत्तरदायित्व।

(ix) अंतर्राष्ट्रीय स्वतन्त्रता - स्वतंत्रता का आदर्श विश्व को समग्र रूप में समाहित करता है। अतः अंतर्राष्ट्रीय धरातल पर इसका निहितार्थ है युद्ध का त्याग, शस्त्रों के उत्पादन पर नियंत्रण, बल प्रयोग से बचना, तथा अन्तर्राष्ट्रीय विवादों का शांतिपूर्ण समाधान।

Avinash

Scanned with CamScanner